अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2018) **दिनांक : 21-12-2018**

समय सीमा : 3 घंटा **तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली

प्र. 1 किन्हीं चौदह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। 14

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली (किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) संगठन की दृढ़ता के प्रमुख तत्त्व क्या हैं?

(ख) व्यक्ति का दृष्टिकोण सम्यक् कब बनता है?

(ग) मुनि मेघ को भगवान महावीर का मार्गदर्शन नहीं मिलता तो वे संयम रत्न की सुरक्षा नहीं कर पाते। यह घटना किसकी महत्ता को उजागर करती है?

(घ) कंठस्थ ज्ञान को स्थायी रखने का सरल माध्यम क्या है?

(ङ) आचार्य भिक्षु ने बारह साधुओं के साथ संयम यात्रा प्रारम्भ की उसमें से भी सात बिछुड़ गए। फिर भी उन्होंने संविधान निर्माण की अपेक्षा क्यों अनुभव की?

(च) आत्म-दमन का अर्थ क्या है?

(छ) 'पुरिसा-अत्ताणमेव अभिणिगिज्झ एवं दुक्खा पमोक्खसि' इस आगम-वाणी का अर्थ क्या है?

(ज) तेरापंथ में एकत्व की त्रिपदी क्या है?

(झ) बीमार साधुओं के चेष्टापूर्वक अलग दाल लाने की बात तो कहीं रही, पर जो अलग-अलग थी, उन्हें तुमने इकट्ठा क्यों किया? आचार्य भिक्षु ने मुनि हेमराज जी को यह उपालम्भ कब और कहाँ दिया?

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता (किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर दें)

(ञ) वर्तमान युग में अहिंसा के सिद्धान्त के साथ साधन शुद्धि पर बल देने वाले किन्हीं दो विचारकों के नाम लिखें।

(ट) गौतम स्वामी ने असत्य संभाषण कहाँ किया? और वे शुद्ध कैसे हुए?

(ठ) आचार्य भिक्षु के अनुसार लोकोत्तर धर्म की कसौटी क्या है?

(ड) जितने भी तीर्थंकर अतीत में हुए हैं, वर्तमान में हैं और भविष्य में होंगे, वे किसकी प्ररूपणा करते हैं?

(ढ) निरवद्य दान कौन सा दान है?

(ण) आचार्य भिक्षु के अनुसार आत्मशोधन और मोक्ष के मार्ग पर दृढ़ता से बढ़ने के लिए क्या आवश्यक है?

(त) आचार्य भिक्षु ने अपनी दूरदर्शिता से वह कौन सी मर्यादा बनाई जिससे अयोग्य दीक्षा पर पूर्ण प्रतिबन्ध लग गया?

(थ) संघ में कठोर अनुशासन कायम रखने के लिए किसका समूलोच्छेदन परमावश्यक है?

(द) श्रुतधर्म का अर्थ क्या है?

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली–23

प्र. 2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 5

(क) भगवान महावीर की धर्म-शासना में कितने साधु-साध्वियां थे और उनकी व्यवस्था के लिए कितने पद निर्धारित थे?

(ख) आचार्य भिक्षु ने मुनि वेणीराम से कहा–तुम्हें उनसे चर्चा करने का त्याग है। आचार्य भिक्षु ने यह त्याग क्यों और किसके संदर्भ में करवाये?

(ग) वे कौन से संस्कार हैं, जिसके कारण तेरापंथ धर्मसंघ आचार्य केन्द्रित धर्मसंघ बन गया। स्पष्ट करें।

प्र. 3 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 6

(क) घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु ने अपनी शुद्ध नीति और अप्रतिम साहस से साध्वी समाज का एक विशिष्ट इतिहास बना दिया।

(ख) श्री मज्जयाचार्य ने मर्यादा महोत्सव का सूत्रपात किया उस संविधान की धाराओं का विवेचन करें।

प्र. 4 दलबन्दी की समस्या को रोकने के लिए आचार्य भिक्षु ने क्या उपाय किए? वर्णन करें। 12

अथवा

आचार्य भिक्षु के अनुशासन के मनोवैज्ञानिक स्वरूप को घटनाओं के माध्यम से सिद्ध करें।

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता–23

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 5

(क) लोकमान्य तिलक के अनुसार धर्म शब्द के दो पृथक-पृथक अर्थ कौन से हैं?

(ख) आचार्य भिक्षु ने संघ से पृथक होने के कौन-कौन से कारण बताए हैं? लिखें।

(ग) मनुष्य के स्वभाव में अच्छाई व बुराई दोनों विषमताएं हैं। आचार्य भिक्षु के अनुसार उनका सम्पूर्ण परिष्कार कैसे हो सकता है?

प्र. 6 किसी एक प्रश्न का उत्तर100 से 150 शब्दों में दीजिए। 6

(क) 'वर्तमान तर्क के युग से भी श्रद्धा सर्वोपरी है।' इस विषय में अलबर्ट आइन्स्टीन के विचार लिखें।

(ख) संयम के आधार पर मनुष्य की तीन कोटियों का वर्णन करें।

प्र. 7 असंयमी जीवों को बचाने के विषय में आचार्य भिक्षु की शब्दावली का वर्णन करें। 12

अथवा

सम्पन्न व्यक्तियों को जरूरतमंद व्यक्तियों के प्रति दया भाव रखना चाहिए। यह भावना अनैतिकता और अहंकार को जन्म देती है। इस अवधारणा को स्पष्ट करते हुए दान सम्बन्धित आचार्य भिक्षु व अन्य विचारकों के विचार लिखें।

अनुकम्पा की चौपाई–30

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। 5

(क) जिनेश्वर देव की दया का रहस्य क्या है?

(ख) चेटक और कोणिक के युद्ध में बहुत सारे जीवों को मरते देखकर भी भगवान ने उन्हें रोका क्यों नहीं?

(ग) देवता ने जब चूलनी पिता के पुत्रों को तीन-तीन टुकड़ों में काट दिया तब उन्होंने क्या किया?

(घ) अपरिचत मारणांतिक संलेखना के अतिचार कितने व कौन-कौन से हैं?

(ङ) हिरण्यगवेशी देव सुलसा के पास किसके पुत्रों को लाया था? और यह कौन सी अनुकम्पा थी?

(च) गाड़ी जमीकंद से भरी है उसमें अनन्त जीव है, उन जीवों के कितनी पर्याप्तियाँ और प्राण हैं?

(छ) 'नाव में छिद्र बताने से साधु का व्रत भंग होता है।' यह कथन किस सूत्र पर आधारित है?

प्र. 9 ढाल चार के सात दृष्टांतों का उल्लेख करते हुए उनका सारांश लिखें। 10

अथवा

ढाल छः में मिश्र धर्म मानने वालों के विचारों का आचार्य भिक्षु ने किस प्रकार वर्णन किया है? लिखें।

प्र. 10 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें। 15

(क) ग्यांन दर्शन चारित तीनूं तणो, साधां कीधो हो जिण थी उपगार।
ते तो तिरण-तारण हुआ तेहना, उतार्‌या हो त्यांने संसार थी पार।।

(ख) अणुकंपा कीयां डंड आवे, परमार्थ विरला पावे।
नसीत नों बारमों उदेशो, जिण भाख्यो दया नों रेसो।।

(ग) परित संसार कीयो तिण ठांमें, उपनो श्रेणक नें घर आई।
भगवंत आगल दीख्या लीधी, पहिला अधेन गिनाता मांहि।।

(घ) मछ गलागल मंड रही, सारा दीप समुद्रां मांय रे।
भगवंत कहे जो इंद्र ने, तो थोड़ा में दीये मिटाय रे।।

भिक्षु वाणी–10

प्र. 11 किन्हीं तीन विषयों पर पद्य लिखें।

(क) राग

(ख) असाधु

(ग) मिथ्या आचरण

(घ) साध्वाभास

(ङ) सत्पुरूष